र्गरक्य।

क्रिंश ऑर्देव पा ऑर्से ५ ग्री ही र्देव ५ गाव गाव ५ त्येग श्राय २ प्यति । पा हे पाईव क्रिंश ग्री
ਜ਼ੁਆ अर्द्धव प्रयाय बरायें का अर्द्द प्रयोवें के प्रयोवें प्रमा अर्द्ध प्रयास के विकास का किया है।
क्रॅब्र दर्शेंदे क्रुं प्रमृत्।(1)
५८.चू। यक्षेत्र.चर्ट्स.क्र्र्.च.त.त.त.च.त.च.त.च.त.च.व.च.व.च.व.च.व.च.व
ग्री अर्केन् पर्हेन् र्ष्ट्रेन् तु रर्षे प्रमार्से अपमर न्याप्यस्य ।
विश अर्केन् प्रस्पर्हेन् प्रा(3)
ण् र्गेशर्नेबा
গ্ৰ স্থ্য ব্ৰ্
ग् ३ केंग् र्नें व्
८१ केंग र्नें तर्ने स्थायन राया
হর্ প্রস্তর্মী
ङ) चन्द्रचुदेःखुदःद्र्षेद्रध्य
ङ१ खुर ⁻ देवे ⁻ द्देव ⁻ द्यम्
क्र) र्देग्रह्मायायर्वेद्राया(8)
कर देवे स्वत्।(9)
নিং ইর্মাঘমন্মাঘন্তরামা(10)
गार क्वें.च क्वें द दिसें च बा सक्वें दें द च व द दा(10)
(10)

শ্য ব্র'ব্যামন্ত্র ক্রমার্মর্ব্রমান্ত্রপূর্যা(1	0)
শ্ব বহুমবদ্শ্ৰমবন্ধ ক্ৰিমাম্ব্ৰ বাব্ৰ ব্যাৰ্থ বিশ্ব বহুমবদ্ধ বা	
प्रश्न अर्हें नः ग्री अर्द्धवः नें वः प्रवृतः या	6)
শার বর্মারাক্র্র-বি. বর্মারাক্র্র-লক্ষ্য-লক্ষ্য-লক্ম-লক্ষ্য-লক্য-লক্ষ্য-লক্ষ্য-লক্ষ্য-লক্ষ্য-লক্ষ্য-লক্ষ্য-লক্ষ্য-লক্ষ্য-লক্ষ্য-	
मि) न्वें श्वे देवे या ग्री प्रवादिवा	
দেং দ্র্যুষ্ণ কর্ত্র অ ক্রী স্থ্রী দুর্বু	
শ্রীশ্বা বন্ধুর বর্তীশন্ ইশ্বান্তী ব্রিক্তন্ত্র বা	
利)口養子りぞれ口妻子口 	
মে) ৰবা নতশ্বৰা মান শ্ৰী মাৰ্কৰ জীন নম্বন না	
দিং <u>বৃষ্ট্ৰ অন্বৰ্</u> থা(21	
ग्र देवे:रद्यंवेद:क्रुंब:यर:यम्द्रया(21	
্ব্য अर्देर प्रमुद्धाः (21	
শ্ৰগ নত্ত্ৰামাৰ্থ্য না(21	
ग्र वग्सेर्स्र्र्रम्म्	
विद क्रुश्यर विवृद्धा(23	
শ্য বেবৃষ্ণমান্ত্ৰৰান্ত্ৰৰামান্ত্ৰৰা	
শ্ব বেবৃষান্ত্রৰান্ত্রৰাম নিশ্ব নিশ্ব	
도) 휠국'디쿼리'디 ·····(24	()
८१ वें वें र प्रिंग्य	
ত্য শ্বশ্বদ্ধ্যা শ্ৰমশ্বশ্ব	
क) ८५४। चुर्च ग्री श्रेर मी द्वरा ग्रद्धाय वर्ष या वर्ष । । । । । । । । । । । । । । । । । । ।)
· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	

र्यार:कवा

利 予有 (25)
<i>ঙ্গু</i> ঝর্চ্চব ন্ত্রিব।
বৃং বৃষ্ট্ৰ'ম। ·····(26)
র্ব রুম'লু হম্। (26)
७६ श्रु'यम् ५'य। (26)
तृष सुदःर्थे सुर् श्वाचित्र ह्या वित्र ह्या
हर मृतुद:र्नेत्रा(27)
কং ৰুদানতৰান্ত্ৰীয়েন দী ক্লমান্ত্ৰা
कद स्टान्सकाक्षुं सकेट् कुकायर यस्टाया(28)
ह्र सुद्र विश्व के कु अके द भी स्ट प्रति व ।
<i>३१ </i>
ह्य स्ट्रांदे प्रत्यवित्र।
থ্য শ্বী-ব্ৰা
धर ग्लुर -र्नेबा (29)
দ্ব বিষশ্বান্ত্রী:মহামন্ত্রির ।······(30)
ব্য শ্ব্ৰী-ব্ৰা(30)
वर ग्लून:र्नेत्रा(32)
५३ क्रें अकेंद्र ग्री रूट पतिवा
খ্য শ্বী-ব্ৰা(32)
वर ग्लूर-र्देव।(34)
हर दे'यश्रद्धिश्रयः इस्ययः देवा द्वेद्याधेव यदे वा स्वाप्ति वा स्वाप्ति वा स्वाप्ति वा स्वाप्ति वा स्वाप्ति व

हे.चर्थेच.क्र्रूब.मुं.मैंजा.त्रक्च.मी.चंबर.उप्ता रिन्

वर्ग हैं। र्देबा(34)
५७ बर्स्ट्र हिंद्।(34)
「「「「「「「「」」」。 「「「」」。 「「」」。 「(36)
५४ ब्रुवः ब्रे५ ग्री देग्राचा(36)
५ कें अप्रीप्ति प्यम्(37)
두 (중 두 다 꽃 도 지 · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
वर ग्वर र्वे ।
५५ बरायात्वुदायायबे यम् ५ या(39)
গ্ ষ্ট্ৰ ব্ৰ
হং গ্রুহ হ্রা(40)
५८ स्टार्च द्वी सामने मन्द्राया(41)
গ্ৰা শ্ৰী ব্ৰা
হাং গ্রুহার্ট্রা(43)
७१ स्टाप्यमञ्जी अकेट्गाश्च्याचे संस्थित स्वाद्य ।
७३ दे 'द्रमा देश' दादे क्यु अर्क्स् । (45)
हैं। क्रूर वर्त महिन्न मी स्टर में विष्य स्टर्स माय वर्त मुः अर्द्ध माय वर्त मुः अर्द्ध माय वर्त मुः अर्द्ध माय वर्त मुः अर्द्ध माय वर्ष माय वर माय वर्ष माय वर्य माय वर्ष माय वर्ष माय वर्ष माय वर्ष माय वर्ष माय
५१ तर्बासानुबातासुरार्चा से तर्हेण यदे कु सर्वा(46)
५३ स्टावसम्भ्रुः सकेर् ग्री में देस देश हुवा(46)
हर केंबायाबद प्रमुख सुंचा
হর্ষমশ্রী হ্রাঘরী হব ব্রী(50)
न्। दें चें ता कें बादि रवा र चें चित्र वा (50)

५गाम:कग

33	र्मेविश्वास्त्रे
3 3	क्रु'तत्रकाताः द्वेंकायते स्वाद्वे मासुर्या(51)
30	
34	श्वर-वु-त्य-क्ष्रेश्वरवि-रव-र्नुबे (51)
ઝુ હ	रय-द्रेषु-वाब्द-यम्भ्द-या(52)
	ত থ শাব্ৰশান্ত্ৰশ্য দ্বদ্ধ্য যা
æ)	५ प्रम्भाविष् ।
Ę)	5वर: चॅदे: प्रदः चित्रेत्। ·····(55)
Ęζ	ล ุกลาสูากา หลิ รุกราชีลิ รักธ์
天飞	ব্দ্প্রের্ট্র-ম্ব-বৃদ্ত্রী
ĘQ	न्यन्द्रित्रेह्नेन्यार्केन्। (63)
Ęų	୍ନଶ୍ୱିକ୍ 'ଞ୍ଜିକ'ଶ୍ୱି' ୟସ୍ଟୟ'ଶ୍ୱ' ମ୍ୟ'ରହିସ'ଧା (63)
ĘĠ	न्यन्चितः सूत्र स्त्रा(66)
ಹ∢	यन्त्रः मुक्तः मुक्ति । (66)
幻	म्बाम्बर्ग् रहतः मुक्ति स्त्र्या(66)
3)	ষ্ট্র ব্য
33	ण्तुर-र्देव।(68)
ĘΫ	ग्राञ्च म्राञ्च स्था स्था स्था स्था स्था स्था स्था स्था
3)	अ र्दे र 'च ङ् द'य।
59	ষ্ট্র-র্ন্বা ·····(68)
হ্য)	শ্বিমশ্বন্ধ্য শ্বন্ধ্য শ্বন্ধ শ্বন্ধ শ্বন্ধ্য শ্বন্ধ শ্বন

इ.पर्श्व.कूब.ग्रु.मैका.मक्ष्य.ग्रु.पश्चर.ठरीम। रिन्

রং বৃট্টান
বৃগ শ্বীম্বা ত্রিয়া ·····(69)
५१ श्रेमश्चुरःगै'५वुं'य।(69)
वर्ग क्रे.क्ष्यं.री.हब्रात्तपु.ब्रुशका.वीरः।(69)
वर शे.क्व.र.स.दश.दादी:श्रेसश.वीट.।
५१ ग् लुर ⁻ र्देवा(72)
१९ श्रेस्रश् ग्री श्रास्त्र जी श्रास्त्र प्रति । । । । । । । । । । । । । । । । । । ।
ह्र) सर्द्धदश्च कु त्र कु न्यन् न्य । (72)
ঘ্য ষ্ট্রী ব্রা
घर मृतुदर्देव।(75)
५१ सर्ह्रद्रशःख्वःसःषीवःपर्देःदर्नुद्वेर् प्यम्रप्या
ষ্য বৃদ্ধীনা ————————————————————————————————————
「
५ ९ मृतुर [*] र्देव।(76)
वर कें केंद्रे अर्द्धव केंद्रा(76)
รุง ฮัสามา์ฮัสาสคุราย (76)
ব্য র্থ্যবিশ্ববৃদ্ধ।
ৰ্থ মাৰ্শ্ৰনামন্ব্ৰনা ————————————————————————————————————
५१ ङ्गयासक्राचन्द्राया(81)
५३ ५५ ने बाबोर्या चन् राया
५८ क्रूँसबरदह्यायहेबरम् १५।(83)

५गा-४:क्या

वर्ग वर्नु-वेश्वायोन्-प्यते-श्र्र्व्यश्चायम्-प्या
वर दर्षेषाचित्रक्ष्रें स्थायह्या चन्द्रच।(83)
व १ दे 'गढ़ेश'गिरे हेव 'द्युव 'बॅट 'दु 'चक्रुव 'घ (84)
५५ ब्रॅग्निन्न् ।
५५ ब्रें क्षें क्षा अस्त्र के ५ पति पत्र पत्र पा
รุข श्रीदः स्वास स्वास वास्त्रा प्रमान्य ।
রং মার্বা অমু অব্
कर शुःमुक् त्र्वस्यास्यायम् राया (१०)
5) 夏夏河中内では (90)
<i>७७ ह्यै:</i> र्नेबा(90)
त्र मृतुर ⁻ र्देव।(92)
हर दन्नमासुः स्वापन् द्या(93)
99 夏行河 (93)
त्र मृतुर ⁻ र्देव।(95)
हर मुेदायबेप्पन्पा(95)
রূগ স্থ্রীমানস্কুরামা(95)
त्र क्रुश्चर ⁻ पन् ⁻ प्प
हर्ग दे संस्ववाक्तेत्र चे ख्राचित्र चे ख्राचित्र च्या
গ্ ষ্ট্ৰী ব্ৰা
বৃ ষ্ট্রীমন্ধ্রমান্ত্রীদামন্দ্রশ্বা (প্রস্
५१ दे साधगा के व के व कि व कि व कि व कि व कि व कि व

इ.प्रश्चेत्र.क्य.प्री.मै.ज.त्रक्य.ग्री.वीश्वेर.प्रवित्र। १७० /
वंग तृषावयाची कें मुवाद्यां मुवाद्यां प्रवाद्याः वा
ব্ং শ্বিমশান্ত্র শৃত্তিশান্ত্রী ক্রীবান্তর বৃদ্ধু শান্ত্র শিক্ষান্তর বিশ্বনার প্রায়ান্তর বিশ্বনার বিশ
व १ श्रेसश् हे सुर्वे मुेव ५८ मुेव छव ५ श्रु राय। ·····(101)
বৃষ্ণ নিমান্ত্র নার্নী রিব র্মিন্নান্তর শ্রী নামান্ত্র নার্নির বিশ্ব শ্রি শ্রু নার নার্নির বিশ্ব নার্নির প্র
ক্র্বি'ব্রা ·····(101)
उद ग्वाब्याग्राह्यायः दिन् गाहेव प्राह्मव पा
ক্র্য শ্রমশন্তর শ্রী হেই বা দ্বির অপ্য ত্যা (103)
হ্য শ্বীমশন্তন্ শ্রী-স্ব্রী-স্বা
রুগ নিমন্মনার্ম্মনেব্রনা (103)
দৃগ বেই্ব্'দ্মশ্বন্ধ্ব্ৰ্ব্'ব্য
দৃং শৃৰ্গম্প শ্ৰী বিষশ্ব বৃদ্ধা
দৃং শৃৰ্শুস্মান্ত্ৰ্য্য নিম্মান্ত্ৰ্য্য
র্থ বের্ল্-নেন্থ্-ন্দ্র্প্-ন্ধ্(105)
हर केंबाग्री। ब्रुट्रायम् इयामेबाग्रव्यायन्तुव यम्द्राया
ह ३ रट:चबेब:कु ब :यर:चब्द:या(107)
ন্য ব <u>দ্</u> ৰাস্থ্ৰা ————————————————————————————————————
हु। मूट्रुव्ह्म्यदेश्चुम्बद्धायविष्यवृत्य। (107)
५१ ग्रांचीशतह्यायित्वराष्ट्रीत्वम् श्रीत्वम् स्तिवस्य
ঘ) মৰ্চ্ছৰ ন্ত্ৰিবা
ষ্ বৃষ্ট্ৰ'ন্।·····(109)

.....(110)

वर ह्युय:वेर्।

५गा-र:कवा

59 ₹5 ⁻¹ (110)
त्र देवे ⁻ त्यम् ।
व्रा देवाबायदे ब्रुवा चेद्
वर सुरः ने न्यू पानु र । (111)
वद यमः श्रेन्द्वः ग्वस्थः यदेः हुग्सः यस्त्रः या · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
হ্রন এম.শ্রুই.শ্রী.বা.প্রথারা (113)
র্থ র্কুর্'ন্ট্রন্'ম্ম্ ······(113)
ちり ロエ:割ち:潤:´´´´´ 一(113)
५ १ कें कं ५१(114)
५३ स्या क्री विराधम् । (115)
५६ वृद्धाः सञ्चा (115)
वर्ग इ.पर्सेया.मु.चिर.तारा(112)
ব্রং ই বঁই ড্রেন্ড্রন্মন্ (116)
त्र परः र्रेर: ५ वो स्वाप्ती : त्यक्षः वार्क्षवा : प्राप्ति : क्षेत् : क्षेत् : क्षेत् : क्षेत् : क्षेत् : क्ष
বৃৎ নি:ৰুপ্নী:ডিই:নুহা (117)
५५ श्रीट-वी/छिन्-धर-५८-देश-ळेग । (117)
विष भ्रीः यात्र सार्व्य स्था स्था (118)
च _य उर्च्.क्या(118)
वर पर्ट्रेग्'र्ट्'क्सक्षक्ष्याची विर्ध्यम् (119)
तुर ग्वर्षस्य।(119)
ह्म ग्राम्याग्रह्मायाः ह्या क्षेत्रह्मायाः विकास्य विकास्य विकास्य विकास्य विकास्य विकास्य विकास्य विकास्य विकास

୍ୟ ଶ୍ର ଶ୍ରିୟ ପ୍ରଷ୍ଟ୍ରୟ ।
(119) क्रिंग्यक्ष्राया(119)
রং ক্রুশ্বমার্ম্পর্যা ······(120)
5) শ্বশশ্বন্ধশ্রী দ্বশর্রিঝ।(120)
「「「「「「「「「「」」」「「「「」」「「「」」「「「」」「「」」「「」」「
५४ व्यतः त्यमः म् सुराद्योः ५८: सुराद्या(122)
র্থ সমূস্(123)
हर ग्राम्बार्यान्य स्थान्य व्याप्त स्थान्य स्यान्य स्थान्य स्यान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्यान स्यान स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य
র্গ মার্ন্ন মানুদ্ধর
92 Biditai(123)
वर हुँदे दें वा(124)
59 ఇళ గ్రే బడ్ శాశ్రేగ్(124)
বৃথ বৃষ্ট্র'ম্। ·····(124)
5্ৰ ই ইবি মহ দ্বিৰা
५ हो ५ त्यम्
तृ दर्शे र्सुया(127)
कर ब्रॅन्'ग्री'त्रहेषा'हेब'च्पन्'प्प(129)
ह्य देशयम्बर्या(129)
११ हेव न् श्रीय वर्षे र मुस्य मन् न्या(129)
१९ यहेव य रे अर्के मी र ग्रुस यन् र या(130)
59 दे ⁻ यब्द-या(130)
हर बर्कें चन् राया(131)
53 ปีรวสราย(131)
দৃৰ স্মীন্ত্ৰপূৰ্ণ্ডা(132)

र्गारक्य

হা) শ্বী ⁻ শ্বী
হং শ্বীশ্রের অন্ব্শ্বা
রং বের্মান্তর্নীন নী ন্তিন্ ক্রিমান্ত্রী ন্রনা ত্তু নেপ্র না
বৃং শ্বীশ্বান্ত্র্বি ব্রান্ত্রি ব্রান্ত্র্বি ব্রান্ত্রের ব্রান্ত্র ব্রান্ত্রের ব্রান্ত্রের ব্রান্ত্রের ব্রান্ত্রের ব্রান্ত্রের ব্রান্ত্র ব্রান্ত্র ব্রান্ত্রের ব্রান্ত্র ব্রান্ত ব্রান্ত্র ব্রান্ত্র ব্রান্ত্র ব্রান্ত্র ব্রান্ত ব্রান্ত্র ব্রান্ত্র ব্রান্ত্র ব্রান্ত ব
59 ५ ६ॅश चब्र्च्या(137)
হা) হবু:র্মুহ-মের-মার্ক্স-মন্ব্-মা
ঘং মই ইশ্বাস্থ্র শ্বশ্বপ্র শ্বশ্বপ্র শ্বশ্বপ্র শ্বশ্বপ্র শ্বশ্বপ্র শ্বশ্বপ্র শ্বশ্বপ্র শ্বশ্বপ্র শ্বশ্বপর্য শ্বশ্ব শ্বশ্বপর্য শ্বশ্বপর্য শ্বশ্বপর্য শ্বশ্বপর্য শ্বশ্বপর্য শ্বশ্বপর্য শ্বশ্বপর্য শ্বশ্বপর্য শ্বশ্ব
বৃগ শ্বাহন্তের্থান্ত্র্পান্ত্র্বান্ত্ব্বান্ত্র্বান্ত্র্বান্ত্র্বান্ত্র্বান্ত্ব্বান্ত্র্বান্ত্র্বান্ত্ব্বান্ত্র্বান্ত্র্বান্ত্র্বান্ত্র্বান্ত্র্বান্ত্র্বান্ত্র্বান্ত্বন্ব্বান্ত্বান্ত্ব্বান্ত্
न्। क्रुयक्रेत्रःचित्रेयात्रश्चन्द्रःच।
या ग्राबय सेन्। मन्य प्रहेव या (139)
শ্য ষ্ট্রার্ন্বা (139)
ন্য ক্টি'র্'ই'র্থাক্ষাবেক্তমান্। (139)
নং के ব্লুবি দ্যুী অ ব্ৰেৰ্ক ম দ্ৰী ৰূপ।
নং দ্রদ্রেশ্রন্ধান্ত্র্বান্ত্ব্বান্ত্র্বান্ত্র্বান্ত্র্বান্ত্র্বান্ত্র্বান্ত্র্বান্ত্র্বান্ত্ব্বান্ত্র্বান্ত্র্বান্ত্র্বান্ত্র্বান্ত্র্বান্ত্র্বান্ত্র্বান্ত্ব্বান্ত্র্বান্ত্র্বান্ত্র্বান্ত্র্বান্ত্র্বান্ত্র্বান্ত্র্বান্ত্ব্বান্ত্র্বান্ত্র্বান্ত্র্বান্ত্র্বান্ত্র্বান্ত্র্বান্ত্র্বান্ত্ব্বান্ত্র্বান্ত্র্বান্ত্র্বান্ত্র্বান্ত্র্বান্ত্র্বান্ত্র্বান্ত্ব্বান্ত্বান্ত্র্বান্ত্বান্ত্বান্ত্বান্ত্বান্ত্বান্ত্বান্ত্বান্ত্ব্বান্ত্ব্বান্ত্বান্ব্বান্ত্বান্ব্বান্ত্বান্ব
यह बरायाञ्चरासदेश्वराया(141)
धर मृतुर-र्देव। (141)
ন্য শ্বীমানপূর্যা
स्थित वाब्य <u>स्थित वाचा स्थ</u> ा (141)
सर रदः सुग्रह्मा या निर्मा (144)
নং के'अम्बीदःवानुःनानुेदःर्स्व।
યા ક્રેલે 'ર્દેશ'(145)

र्ड) तृषान्त्रीः इस्राचलगान्ध्री रावस्रवादा(145)
क्र) रुषान्त्री क्षेत्रे त्ये।(145)
र्हर दे'यशम्बे'यदे'तृशकेंगशम्भःमुः इसम्बन्धः ।(147)
र्ह्ग पुर्देशयम् प्राप्ता(147)
ई१ तुषायबै म्वे म्वा फु यम् ५ म्या(147)
स्र) ने अदे चर्चे द चदे द्वद वीश वें विशेषा य दुश चित्र र व्युट र्स्य।(147)
ଖ ୧ สู ' ଦରି' ଦର୍ଶି ଟ ' ଦରି' ଦ୍ର ଦ ବିଷ' ଦୃଷ' ଦର୍ଶି ' ଦ
सद र्थे 'द्र-दुष्ठ' ग्री 'दर्देव 'द्ध्य' द्रेष्ठा
নে) ग्राव्यः भ्रम् श्राद्या गाया । । । । । । । । । । । । । । । । । ।
बर स्ट.जीबादाचवाता(151)
र्दं १ ने या यहेव व्याविषा श्री द्वाया प्रदार्शेया दें मार्स्या यस्त्राया
<u>६</u> ७ ब्या श्रे: श्रुच र्दे र प्रदे र्सुया(152)
इं१ ग्रें क्वेंट्यकुपत्रे पर्दे पुरादेशपत्र प्राप्त विषय विषय विषय विषय विषय विषय विषय विषय
र्दर दे'या यहेव वसायर्या यदि त्या मार्थी मार्थी मार्थी मार्थी सुधा मी स्था मार्थिय प्रमानि प्रमानि । । । । (155)
उ १ मालुर यदेते अपनार्देव प्र रुष्ट्र अर्देव पार्व एमा माणी प्र मुन्द्र मीत मी के अर्वे
र्थेषातुषायम् । । । । । । । । । । । । । । । । । । ।
र्ह्म) यात्रकुः सुर्याद्यः द्रयायाः या
र्ह्न रदः सुन्न सः चल्ना च ।
মং গ্রুহ হ্র।(157)
यर देन्द्रायायहेब्द्र्य।(159)
वर शुअञ्च माशुअपदेशावस्य वर्षाः (160)

र्गारःकवा

व ३ वर या थे श्रेव यपर या
५१ षान्दासायदेशः वात्रवायम् । (162)
५१ दे.र्ग.गु.र्झू श्र.त.चन्द्र.त्त्र।
हर श्रेसश्चर हुं क्षेत्र हैं हुं हुं हुं हुं हुं हुं हुं हुं हुं हु
ক্য প্রশ্নর্থন্য (164)
७१ केंक्य-चन्या(165)
দ্য শ্বি:শ্ব-মেপ্ন-ম্ব্-ম্ব্-ম্ব্-ম্ব্-ম্ব্-ম্ব্-ম্ব্-ম্
हर वर्नेन [्] कृदे कें कंन्।
५ व्यायाक्षां सामित् श्री कें कंत्रायन्त्राया
हिंद याञ्चर्यात्राप्त्राच्याच्यात्राच्याच्याच्याच्याच्याच्याच्याच्याच्याच्य
हुए म्ब्रम्था से द्रा च्री कें केंद्र
५८ स्.र्भिज.मुं.स्.स्री(167)
ह ^थ तुन्:दर्शेदे:क्रेंक्न्।(167)
हर धी-तृष्याची-क्रें-क्रत्।
हिंद ब्यूट: दृक्षुत्य: ब्री: क्रें: क्रंद्रा
७३ क्र् ५-५-५ मार्डे अम्बि ५-६-ई अर्ख्या(168)
দৃণ ₹ ষাশ্ৰী(168)
চ্ ৭ ই্ মান্ত্র্ণা(169)
घ) है य हैं अ हैं य
घ९ वें पञ्चतायार्चेन् च ार्चे आर्चे आर्चे आर्चे या(169)
50 रण र्देब।(169)

5्र न्यूयायान्व्या
র্ণ ক্ট্রীমামন্ব্রা
व्य ब्रम्बुट्य ······(171)
ন্য নশ্বন-ছুব-ট্র-বেম-ট্র-শ্ব
धर यहेगायश्रम्याम् ब्रम्पा स्थापा । । । । । । । । । । । । । । । । । ।
उर ग्रम्यविद्यायस्यम्बरम्
ক) মর্ক্রমম্মুর্মার্
कर वशर्त्रशयम् पा(177)
5.9 美奇(177)
পু) মর্ন্ মন্ত্র্ম না(177)
ह्य क्वेंद्रेंब्।·····(177)
হা) মৰ্ক্ষ ন্ত্ৰীন্য
রং বৃট্টানা(178)
রব রুম'শুদ্ মা (178)
হাৎ ট্রেস্ নেম্ ন্ট্রীর্ক্তমা
5) यश्च देश पर्वे क्रुंया(179)
५१ यश्रद्धेवाळेचा(179)
५४ यश्रानुश्राचार्द्रभे दस्राचा(180)
বৃৎ ব্রুষ্মান্তম্বার্ না (180)
५५ जद्मानी इस श्रेव नी त्वद्म त्व त्वीव रहेवा(180)
हर ग् ल् र र्नेबा(180)
(180)

र्गार:क्या

३१ क्यायर प्रव र्षा(181)
দৃগ অষ্ণগ্ৰী ⁻ মহ'ঘৰীৰ বি
দৃং অশ্বাশ্ব্যাষ্ট্রবিক্তিশন্ত্রিশ্বাশ্ব
५३ इसप्यर रेण चुे र संबेद प्यते र चुे प्या(183)
ঘ) ঝর্ ম'নমুর'ন।(183)
বং ক্রুশ্বমানপ্রা
५) क्ॅ्रायदे रॅं वॅ ५८ ५ हे व (184)
ৰ্ণ ঝর্ব্যা
ব্ধ শ্বন্ট্র-শ্রন্থন্যব্দ্রেশ্বন্ত্রা(186)
५१ क्रिंयाचाक्ष्वाद्ध्या(188)
5 ৭ র্ছন'স্ট্রিন' (188)
ৰ্) ৰূম-ৰ্থুনা(188)
น) ฐัม:นิว์.ฮัุน (188)
ন্ধ) র্ষুমানান্ধ্রমান্ত্রীর্ষ্রনার্কুমান্ধ্রীমানবিশ্ব।(188)
ष १ क्.ब र.क्ष्रा. तपु.क्षेत्र व्यव्यक्षेत्र व्यव्यक्षेत्र व्यव्यक्षेत्र व्यव्यक्षेत्र व्यव्यक्षेत्र व्यव्यक्ष
刀 劉 有一 (193)
an श्रुप्तवासुत्याची: दर्गोत्रः अर्केगः ग्राह्यसः देशः प्रज्ञदः प्रा
यर दे.ब्र्.ज.प.प.ट्रंब.ब.के.स.ब्री.श्रीयश्र.क्ष.प्रंयु श्रीयश्र.क्ष.प्रंयु श्रीयश्र.क्ष.प्रंयु ।
स क्रुं न्दः त्यः यहे व : यदे : क्रुं यः है : क्षेत्रः क्रुं : क्षेत्रः क्रुं : क्षेत्रः क्रुं : क्षेत्रः क्रु
स्ट श्रुप्तराशुः स्ट्राप्तरे प्रवाणित्।(197)
মধ্ স্কুবৰাস্থ:বর্ষ্য নর নুষ্ম নান্ত নন্দ্র নান্ত নান্দ্র নান্ত নান্দ্র নান্দ্র নান্দ্র নান্দ্র নান্দ্র নান্দ্ মধ্য স্কুবৰাস্থ্য বর্ষ্য নান্দ্র নান্দ

हं.पर्वेथ.क्ष्म.ग्री.भैजा.भक्ष्य.ग्री.विश्वट.उत्तेश रिन्

य १ 🝕 स्था से त प्रस्ति हुत्।(198)
(198)
वर गर्नेट ह्या(198)
বৃৎ র্ষ্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্
हर अर्दे:त्यक्ष:बुद:चते:क्रुअ:ब्युदक्ष:चन्द्र:च। ·····(199)
नुग बर्क्न नेत्।(199)
রং মর্ক্র শ্রন্ধীর দুট্র দ্যা
দৃগ ক্লু'বের্ঝ'শ্রী'র্ঝ'ব্রী'ম।(200)
५१ हेव म्री क्षें वश्व प्राप्त निया
দৃৰ বন্ধান্ত ইক্লিৰ্মান্ত্ৰীয়া
हर रें वेंदे हैं व्याद्वे व्या
দৃ ব্রিদ্ অমান্ত শ্লু ব্রম্ব ব্রান্ত (205)
হ্য স্থ্র-ন্ত্র-স্থ্রন্থ-ব্যক্তিশ্বন্ধ্র-ব্য
59 ह्ये ⁻ र्नेबा(205)
বৃগ মর্ক্রমম্বামিন্ শ্রীন্দ্রানানা (205)
व १ वें व सें दश्चायते स्थ्रीय या(211)
ব্র গ্রুষ্মান্ত্র স্থ্রীর শ্রীনান।(211)
५१ मृत्र-र्देव।(211)
वर हेव नु पर्केर व्यक्ष नु प्रदे ग्रादे ग्रादे प्रादे प्राद प्रादे प्रा
५१ ह्वेव प्राथम हुर प्रवे प्रकें र वस्त्र हु प्रवे मुक्षे प्रवर प्रवे प्रवे प्रवे प्रवे प्रवे प्रवे प्रवे प्रवे
5१ र्स्य विस्रस यस वुद प्रदे प्रदे दस्य वुप्त दे मुले प्रमृत्य ।

र्गार:कव

53	भूँ अ.त.जब्र वैदः यदुः यदूर विश्व अश्वीः यदुः यदिः यदिः यदिः यदिः यदिः यदिः यदिः यदि	6)
	कः सञ्चर् कुः निष्ठाः स्वाद्यस्य स्वर् स्व	7)
a e	इसःग्रद्भःगवदःपश्रदःया(21	7)
	ত। ব্যব্ধান্ত বাস্ত্র বাস্ত্র বা	
あり	ચર્જ ે ર્	8)
ಹಳ	5夏 ⁻ 河	9)
毛り	₹'বর্ব'বৃট্ট'ব (219	9)
ξq	(219	9)
31	ମସମସିଥି:ଛ୍ଲିଁ:ବ୍ୟାସ୍ଟ୍ରଟ୍ଟ୍ରମ୍ଡି:ସ	9)
33	ୣଌ୵ୣ୕୵ୡ୕ୣୖୣୠ୕ୣୣୣୣୣୣୣୣୣୣୣୣୣୣୣୣୠୣ୕୵ୣୣ୵ୠୄୖୢ୷ୣ୲	0)
33	୮ଧ୍ୟୟ'ପ୍ତି'ଞ୍ଜି'ବ୍ୟ'ସ୍ୱି'ସ୍କୁମ୍'ମ୍ବି'ସ୍ (220	9)
夷 伐	ดุ ร. ฮู ร. ซ.ศุ ร. ซ.ท	1)
31	ষ্থ্ৰ েন্ড 'ব্যু হৈষ্ণয়	1)
39	డ్గి చా స్టా శ్రే శ్రేషన్ ను ఉద్ర శ్రీన్స్(222	2)
33	୵ୡୄ୵ସଂଶଂ ଧ ଂମ୍ମଦ୍ୟସ୍ତିୟଂସ୍ଦର୍ଜି କୂମ୍ଲି କ୍ୟା(222	2)
30	ষ্ট্ৰব' ড 'র্মিল'লী'মন'ন্ট্র ·····(223	3)
34	ଽୄୢୢୢୢਜ਼ୢଊ ^୲ ଵୄୢୖୢ୰ୣୠ୕ୢୣ୕ୣୣୣୣୣୣୣୣୄୣୣୣୣୣୠ୴୕ୣ୴୕ୣ୵ଽ୕୵୕ୣୠ୕ୣୣୣୄୣୣୣୣୣ୴୲୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷	4)
あ ∢	₹য়'য়दे'चुे'ॼष য়ঀৢঀৢ'য়।(225	5)
气)	କ୍ରୁ'ୟ'ନ୍ନ୍ୟୁ'ୟ'ସି: "エସ'' ମୁଣ୍ଡି। " (225	5)
Ęζ	৲ শ্রীনা স্বাধ্যে যে স্ট্রেস্কা দারি : মন : ১ ন্রি।	5)
天 飞	ଝ୍ ଝ୍ଞ୍ୟ୍ୟର୍ଦ୍ଧ୍ୟ ଅନ୍ତ୍ରମ୍ୟ ଅନ୍ତର୍ମ୍ଭ ।(225	5)

हें पर्वत केंब्र मी मुन्य अस्व मी मुहार वर्षा रिट्रे

हर तुक्षायार्केषायदे प्रवाद्वे प्रवाद्वे प्रवाद्वेया ····	(226)
ह्। খ্রেশ্ডর স্থ্রী দ্রী দ্রশ ।	
কে প্রস্থান্ত্র ক্রুপ্রান্ত্র ক্রেম্বর	
क्ष वेंद्र वेंद्र अंक्षेत्र क्षेत्र क्	
ছ [ে] ইপ.আঁ<জা ····	(231)
क्रण मार प्रस्ति स्वाधर प्रमुद्धा ।	
कर हैं वारा सं है। हा वा हि वा वि वा	
ক্ শ্বীশ্ৰান্ত, বেইৰাই, লূখৰা ক্ৰ	
क्ष मान्यानुगायायायान्यान्यम् नामा	
क्र) न्रीम्बास्याययम्बाद्यायते यन्त्राया	(240)
কং ঘট্র অর্ইন মার্ট্র ঘম हें ग्रह्म चारि देश य।	
क्र अर्देव हेंग्रायायाव्यायदे ग्राट्या	
कर अर्देव पर हेंगाबा परि त्यम प्रमुव पा	
ড ^৶ শ্বশ্বন্ত্র ঘ'ঐ প্রশ্বশ্বস্থ্র ঘ্য	
क) मेश्यायम् प्या	(261)
कर वृत्ययम्	
कद ब्रिंग्यायवर्षा	(266)
क्र लूब् .घेब.घेब.घेब.घो	(266)
ह्र) शुक् र्सेट्स धीव प्रित किया ।	(266)
त्रा श्रेर्वा	(266)
ज्य ग्रुट ⁻ र्नेबा	(271)

६९ धुव सेंद प्रति र्थेव पृत्र ।
ত্ব শ্বশ্বন্ধ্রন্থ্রেশ্বর্থনে বিশ্বন্ধ্রন্
क) ङ्ग्रें अञ्च दह्न 'न्दें श्रा
5)
<i>ঙ্গু</i> মৰ্চ্চৰ জ্বিশ্
多く 5 夏 ⁻ 河 ····································
র্ব স্থুস্ ————————————————————————————————————
तृष् कॅं'कॅंदे'म्ट्'प्वतेत्। (278)
রু(ট্র-ব্রনান্ত্র-অন্ধর)নান্ত্র-অন্ধর-থেনানী-পৃট্র-অন্ধূ।(281)
कृष क्रेंब-ब्रान्डव-पाणव-पाण्ड्या-चर-भ्री-प्रहेंग्-चरी-क्रु-सर्व्या(283)
३ ^च डिन्:कॅब्राचन्न्य।(284)
हर मृतुर में र्देव या अवय द्युर या(285)
कर दे.ज.चम्रेब.चदु.लूब.च्या(289)
गश्चराय। यसूत्र यर्जेश ग्री सहगा गी देव।(290)
শ্য ষ্ট্রার্ন্র (290)
[ম) ক্র্রান্থর্ন্ম-দ্রী:মর্ক্রন্ ^{ন্} রিম্](290)
[P\$ 7\frac{3}{2}] \tag{290}
विश्व प्रहेष्याव्यार्क्ष्या
म् । अर्रे स्विम्बन्धन्यस्व यदिः मृत्रक्षः स्वर् । स्वर् । या मृत्यः यः वर्षे प्रया ।
ग १ रे र र स्थित्र मान्त्र व समासुरसाय सञ्चत से सञ्चत र सुर या(297)
ग ४ तक्ष्रव यक्ष्र्य ५ र धु ५ र भी क्रा मावमा यस् ५ या